सुन्दरसाथ तो वाको कहिए,
जो व्रत जागनी का पाले रे
खुद जागे और सबको जगावे,
कौल वतन का पाले रे

1- सुख और दुख को मन में न लावे,
रहनी गरीबी की लावे रे
अवगुण काढ़े गुण ग्रहीजे,हारे से होए जीत रे

2- मोह माया लागे नहीं जिसको,
मन फकीरी में लावे रे
पल पल साधे मूलमिलावा,साधे श्यामा श्याम रे

3- स्वरूप साहिब का मंथन करे,
ह्रदय करे सनूकल रे
मन की बुजरकी रोज मारे,रहे साथ चरणों धूल रे

4- सुन्दरसाथ की सेवा करे,
तन मन धन कुरबान रे
ऐसे सुन्दरसाथ के चरणों में,करें दण्डवत प्रणाम रे

Nijanand App